Roll No. : .....

Total No. of Questions : **12**] [Total No. of Printed Pages : **4**

AFMA–116

M.A. (Final) Examination, 2023

RAJASTHANI

Paper - IV (iii)

(विशिष्ट साहित्यकार—जनकवि गणेशलाल व्यास 'उस्ताद')

*Time : **3** Hours*] [*Maximum Marks : **100***

(सगळा सवालां रा उत्तर राजस्थानी में ई देवणा है।)

खण्ड–अ **(अंक : 2 × 10 = 20)**

नोट :– सगळा **दस** सवालां रा पडूत्तर दिरावो। हरेक सवाल वास्तै **50** सबद अर 2 अंक राखीज्या है।

खण्ड–ब **(अंक : 8 × 5 = 40)**

नोट :– सात सवालां मांय सूं किणी **पांच** सवालां रा पडूत्तर दिरावो। हरैक सवाल वास्तै **200** सबद अर **8** अंक राखीज्या है।

खण्ड–स **(अंक : 20 × 2 = 40)**

नोट :– चार सवालां मांय सूं किणी **दोय** सवालां रा पडूत्तर दिरावो। हरेक सवाल वास्तै **500** सबद अर **20** अंक राखीज्या है।

खण्ड–अ

1. नीचै लिख्या सवालां रा जबाब लिखौ।

(i) जनकवि गणेशलाल व्यास 'उस्ताद' री जनमतिथि कांई है ?

(ii) जनकवि 'उस्ताद' रै पिताजी रौ नाम अर उपनाम कांई हो ?

(iii) जनकवि 'उस्ताद' मुंबई रै रेसकोर्स मांय कांई काम कर्‌यौ ?

(iv) 'जनकवि उस्ताद' सैं सूं पैली किस्यै अंगरेजी अखबार मांय काम कर्‌यौ ?

(v) 'जनकवि उस्ताद' जयपुर सूं सिंमन्यकाळ रा किस्या दो अखबार काढ्या ?

(vi) 'जनकवि उस्ताद' रा **दो** कविता संग्रह 'गरीबों की आवाज' अर 'बेकसों की आवाज' क्रमवार कद-कद प्रकाशित हुया ?

(vii) साहित्य अकादेमी, नयी दिल्ली सूं जनकवि गणेशलाल व्यास 'उस्ताद' रै व्यक्तित्व अर कृतित्व री ओळखांण करावण वाळी कुणसी पोथी प्रकासित हुई अर उणरा लेखक कुण है ?

(viii) 'लाल धजा री आण फिरै' कविता सूं 'जनकवि उस्ताद' री कुणसी राजनीतिक विचारधारा री ओळखांण मिळै ?

(ix) ''इण जुग रौ अग्यान छिपावण क्यूं जूना जूंझार बखाणै'' इण ओळी मांय 'उस्ताद' कांई संदेश देवणी चावै ?

(x) ''ओ जुग नित जुग सूं न्यारौ, लिछमी नै पुरसारथ प्यारौ।'' 'उस्ताद' रै विचार मुजब लिछमी नै पुरसारथ किण भांत प्यारौ है ? समझावौ।

खण्ड-ब

2. 'जनकवि उस्ताद' आपरै काव्य मांय किण भांत री नारी रौ चितराम सार्मी लाया है ? उदाहरण देय'र समझावौ।

3. 'जनकवि उस्ताद' रै काव्य मांय धरम रौ कांई सरूप रह्यौ है ? विगतवार खुलासौ करौ।

4. नीचै लिख्या पद्यांश री सप्रसंग व्याख्या करौ-

"तूं भीड़ां सूं भय खाय, परण्या डरै मती,
अै डरियोड़ा मर जाय, साजन डरै मती,
बै जगत उबारै सूरमा, ज्यांरा लड़तां रा सिर जाय
अै लांठा भिड़ बाजै घणा,
अै दोरा ह्वै दिन देस रा, जद आलाणौ कर जाय
तूं उण गैलै मत जाय, परण्या डरै मती।
बा निपट निपूती मावड़ी,
जठै पूत कपूता नीवड़ै, कोई रण छोड़ै घर जाय
साजन डरै मती,
नर सूरा कद फिर जाय, परण्या डरै मती।"

5. नीचै लिख्या पद्यांश री सप्रसंग व्याख्या करौ–

"ओ मारवाड़ रा करसा, कुछ सोचो ध्यान लगावो,
दे सारै जग नै रोटी, क्यूं अधभूखा रह जावौ।
कर गिऊं बाजरी जीरो, नै दूध दही घी पैदा,
क्यूं छाछ राबड़ी बासी, नै छाछ मलीचो खावो।
अे म्हाजन खेत न जोतै, नै करतब करै न दूजौ
बे तो लिछमी में झूलै, ये नित रा ब्याज मंडावौ।
कुछ करणौ पड़ै न हीलौ, जद ठाकर जाडा पड़रया,
थे वांसूं डरनै भाई, क्यूं नीचा निंवता जावो।"

6. नीचै लिख्या पद्यांश री सप्रसंग व्याख्या करौ–

"पंडित जी रा पोथी-पोथा, ठग विद्या रा ठागा है,
साधू मुल्ला जग गाडै में, जुतिया माठा ढागा है,
अै ओझा अक्कल री सीरां नै खाडै खड़कासी,
महल-माळिया मोटर वाळा बिना काम रा ठागा है,
कमतरियां री छाती ऊपर अै चुणियोड़ा भाटा है।"

7. नीचै लिख्या पद्यांश री सप्रसंग व्याख्या करौ–

"आछो आयो बापजी, आजादी रो जोर,
लोक खजानो लूटबा, चौड़ै चढ़ग्या चोर,
चौड़ै चढ़ग्या चोर, ढोर जनता नै जाणै,
गाद्यां पर भाड़ेत, सैंत में मूंछां ताणै,
उस्तादां री आण, सेठिया चरै ठाण है,
डर सूं देवै डाण, लोक रो किचरघांण है॥"

8. नीचै लिख्या पद्यांश री सप्रसंग व्याख्या करौ–

"खांच खूंटी संत सोवै, पंथ भूला तंत खोवै,
साख खोटी घाल खत में, निरबळा लोही निचोवै,
देख आडौ मिनख रोवै, रगत सूं धरती भिंजोवै,
देस रा अवळा समां में आज थारी बाट जोवै,
जाग बीरा ! जीत बुध बळ री लड़ाई,
जाग रणबंका सिपाई॥"

खण्ड–स

9. जनकवि गणेशलाल व्यास 'उस्ताद' री जीवण यात्रा री सांतरी ओळखांण करावौ।

10. जनकवि 'उस्ताद' आपरै जीवण मांय करसां अर मजूरां रै शोषण अर वांरै माथै हुवण वाळै अत्याचार सारू किण भांत लड्यौ ? वांरी रचनावां नै आधार बणावंता खुलासौ करौ।

11. गणेशलाल व्यास 'उस्ताद' किण भांत कवि सूं जनकवि बण्यौ ? उणरि जनकवि री भूमिका नै आपरै विचारां सूं सिद्ध करौ।

12. भारत री आजादी रै पैली अर पछै 'उस्ताद' किण भांत संघर्ष कर्यौ ? उणरै संघर्ष री यात्रा रौ सांतरौ चितराम आपरै सबदां मांय मांडौ।